

30/8/24 पत्रावलि पेश तारीख द्वारा स्वयं उपस्थित
द्वारा एवं प्रार्थना-पत्र पेश का निवेदन
द्वारा की शोध अज्ञानत की भावना है
इस से अकर्म का अंग नही पाना चाहिए
इस पर अकर्म इसी स्तर पर विज्ञा
कर्म की अकर्म अज्ञान की प्रार्थना-पत्र
पत्रावलि के संतर्भ है

पत्रावलि का अकर्म रूप हुआ गया
वही अर्थ के निवेदन पर अतीत का है
आधार पर शोध अज्ञानत से पत्रावलि
विज्ञा कर्म की अकर्म अज्ञान की जाती
इस पत्रावलि के अर्थवही इसी स्तर पर
अकर्म की जाती है पत्रावलि के संतर्भ अज्ञान
द्वारा अज्ञानत अकर्म व अकर्म के अकर्म है

कार्यवाही समाप्त है

(Signature)

उपर्युक्त आदेश.....
विजयनगर

Not Recd
Puneetsingh

15/7
30/8/24